शिक्षण पाठ योजना

सेमेस्टर- VIII

AMJ 2: आधुनिक काल **व्याख्यान घंटे: 60**

उद्देश्य : पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिमाण निम्नवत होगा : -

1. विद्यार्थियों को वर्तमान परिवेश से रूबरू होने का अवसर मिलेगा ।
2. आधुनिक काल में घटित साहित्यिक घटनाओं से विद्यार्थी परिचित होंगे ।
3. विद्यार्थियों को यह पता चलेगा कि आधुनिक काल में किन किन विधाओं का उदय हुआ ।
4. भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद,प्रयोगवाद आदि के विभिन्न प्रवृतियों से विद्यार्थी परिचित होंगे ।
5. आधुनिक काल के गद्य साहित्य के अंतर्गत विभिन्न विधाओं को विद्यार्थी जान सकेंगे ।
6. आधुनिक काल के विभिन्न रचनाकारों से विद्यार्थी परिचित होंगे ।

क्र . स	विषय और उद्देश्य	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	**प्रस्तावित संरचना**			
	1. आधुनिकताकी अवधारणा और अर्थ,आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि, भारतीय नव जागरण और हिंदी ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-II	**प्रस्तावित संरचना**			
	1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनके मंडल का साहित्यिक योगदान,हिंदी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी,राष्ट्रीय काव्यधारा, भारतेंदु और द्विवेदी युगीन प्रमुख पत्र पत्रिकाएं ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

इकाई-IV	1. विभिन्न गद्य विधाओं का उद्भव और विकास नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास, आलोचना, निबंध, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत ,आत्मकथा ,संस्मरण, रिपोतार्ज, प्रवासी साहित्य ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ. बच्चन सिंह
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ. बच्चन सिंह

- द्वारा तैयार

सुश्री प्रतिमा परधिया